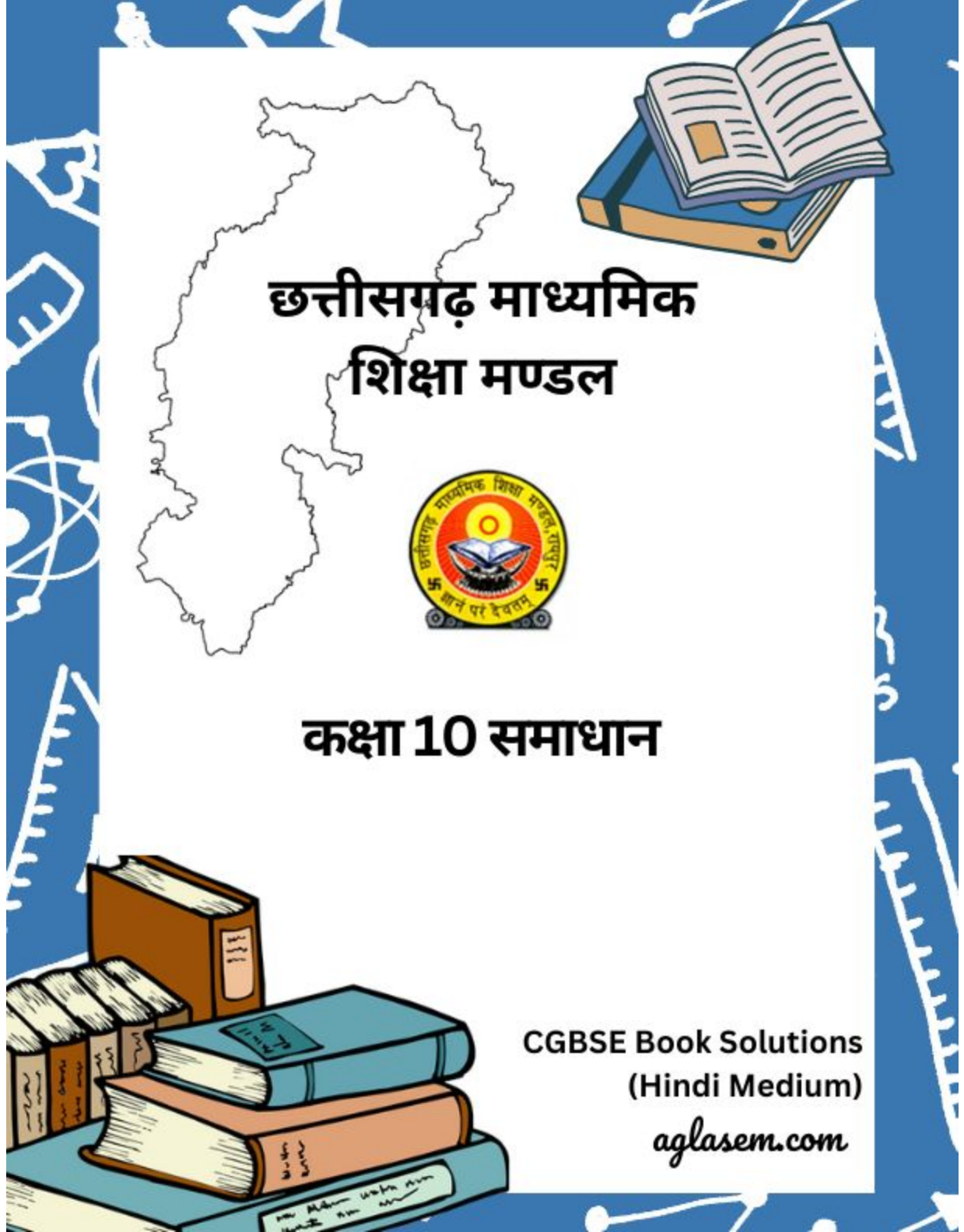


CG Board Class 10 Sanskrit Book Solutions



CG Board Class 10 Sanskrit Solutions
Chapter 9
ओदनं सूक्तम्

अभ्यास:-

प्रश्न 1. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखत ।

Page no. - 49

(क) देवानां माता अदितिः किं करोति ?

उत्तर - देवानां माता अदितिः शूर्पग्रहणं करोति ।

Page no. - 49

(ख) वातः किं करोति तण्डुलस्य ?

उत्तर- वातः अपावनिक् करोति तण्डुलस्य ।

Page no. - 49

(ग) कस्य पिधानं करोति द्यौः ?

उत्तर- राध्यमानस्य ओदनस्य पिधानं करोति द्यौः ।

Page no. - 49

(घ) तण्डुलस्य पाककार्यं काः कुर्वन्ति ?

उत्तर- तण्डुलस्य पाककार्यं ऋतवः कुर्वन्ति ।

Page no. - 49

(ङ.) सूर्यः चन्द्रश्च ओदनस्य कौ स्तः?

उत्तर- सूर्यः चन्द्रश्च ओदनस्य अक्षिणी स्तः ।

Page no. - 49

(च) ओदनेन कस्मै सर्वे लोकाः समाप्याः ?

उत्तर- ओदनेन यज्ञवचः सर्वे लोकाः समाप्याः ।

प्रश्न 2. भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत -

Page no. - 49

(क) मुसलम्, उलूखलम्, शूर्पम्, कुल्या, कुम्भी
उत्तर- कुल्या ।

Page no. - 49

(ख) दितिः, अदितिः कुन्ती, अंजनी, शकुनिः
उत्तर- शकुनिः ।

Page no. - 49

(ग) शिरः, मुखम्, वस्त्रम्, हस्तम्, पादम्,
उत्तर- वस्त्रम् ।

Page no. - 49

(घ) बृहस्पतिः, द्युलोकः, पृथ्वी, वरुणः, शनिः
उत्तर- पृथ्वी ।

Page no. - 49

(ङ.) यज्ञवचः, ऋतवः, वसन्तः शिशिरः, ग्रीष्मः
उत्तर- यज्ञवचः ।

Page no. - 50

प्रश्न 3. कोष्ठकान्तर्गतेषु शब्देषु उपयुक्तां विभक्तिं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत -

(क) असुराणां दितिः शूर्पमस्ति । (मातृ)

(ख) तण्डुलाः पच्यन्ते । (कुम्भी)

(ग) राध्यमानस्य ओदनस्य पक्ताः सन्ति । (ऋतु)

(घ) मुखम् ब्रह्म अस्ति । (ओदन)

(ङ.) प्राणापानाः सप्तऋषयः सन्ति । (वायु) वायु /

उत्तर- (क) माता , (ख) कुम्भ्याम् या कुम्भ्याम्, (ग) ऋतवः, (घ) ओदनस्य, (ङ.) वायुः

प्रश्न 4. स्थूलपदान्यधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत ।

Page no. - 50

(क) उलूखले **मुसलेन** अन्नं कुट्टयते ।

उत्तर- कास्मिन् मुसलेन अन्नं कुट्टयते ?

या

उलूखले मुसलेन किं कुट्टयते ?

Page no. - 50

(ख) तण्डुलाः गावः इव सन्ति ।

उत्तर- के गावः इव सन्ति ?

या

तण्डुला काः इव सन्ति ?

Page no. - 50

(ग) हस्तप्रक्षालनार्थम् ऋतम् अस्ति ।

उत्तर- किमर्थं ऋतम् अस्ति ?

या

हस्तप्रक्षालनार्थम् किम् अस्ति ?

Page no. - 50

(घ) बृहस्पतिः देवानां गुरुः मन्यते ।

उत्तर- कः देवानां गुरुः मन्यते ?

या

ब्रह्मस्पति केषां गुरुः मन्यते ?

Page no. - 50

(ङ.) वेदेषु द्यावापृथिवी युगलदेवरूपेण वर्णितौ ।

उत्तर- केषु द्यावापृथिवी युगलदेवरूपेण वर्णितौ ?

Page no. - 50

प्रश्न 5. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि मातृभाषया लिखत -

(क) आपने ओखली और मूसल का प्रयोग कहां कहां देखा है ?

उत्तर- ओखली और मूसल प्रायः गाँवों में देखे जा सकते हैं। जब भी हम अपने

दादी या नानी जी के गाँव जाते थे तो वहाँ हमने ओखली और मूसल देखे थे। परन्तु आधुनिक युग में ये सभी चीजें विलुप्त होती जा रही हैं।

Page no. - 50

(ख) हवा अनाज के साथ क्या क्या करती है ?

उत्तर- हवा से ही हमें ऋतुओं और मौसम का ज्ञान आसानी से होता है। हवा फसलों को पकने में मदद करती है और अनाज से भूसी - भूसा को साफ करने कार्य का करती है।

Page no. - 50

(ग) अनाज के भूसे का कौन सा गुण मशक से मिलता है ?

उत्तर- अनाज के भूसे का खुजली करने का गुण मशक से मिलता है, अर्थात् जिस प्रकार से मच्छर काटने से खुजली महसूस होती है उसी प्रकार अनाज के भूसे का हमारी त्वचा से चिपकना हमें खुजली, अर्थात् चुनचुनाहट देता है। जिससे हमें त्वचा पर खुजली का एहसास होता है।

Page no. - 50

(घ) अपने आस पास आपने किन किन लोगों को रसोइये के रूप में देखा है ?

उत्तर- हमने अपने आस-पास प्रायः महिलाओं को और होटलो तथा ढाबों में पुरुषों को रसोइये के रूप में कार्य करते देखा है।

Page no. - 50

(ड) उपर्युक्त मन्त्रों में शरीर के किन किन अंगों का उल्लेख आया है ?

उत्तर- उपर्युक्त मंत्रों के माध्यम से चक्षु, हस्त, कर्ण, मस्तक, मुख आदि शरीर के अंगों का उल्लेख किया गया है।

Page no. - 50

प्रश्न 6. तृच् प्रत्ययान्तानां नवीनानां शब्दानां निर्माणं कुरुत।

यथा- पच् + तृच् - पक्ता

नी + तृच् - नेता

कृ + तृच् - कर्ता

दा + तृच् - दाता

वच् + तृच् - वक्ता

श्रु + तृच् - श्रोता

Page no. - 51

प्रश्न 7. छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। अपनी भाषा में धान की रोपाई, निदाई, कटाई के गीतों का संग्रह कीजिए।

उत्तर- छत्तीसगढ़ राज्य भारत का नवगठित राज्य है, यह भारत देश का धान का कटोरा माना जाता है। क्योंकि यहाँ २०,००० से अधिक धान की किस्मों की खेती की जाती है। छत्तीसगढ़ में खाद्यान्न के लिए उगाये गये कुल फसलों में लगभग ८८.३७% भाग चावल का है। जिसमें लगभग ३९.९१ लाख हेक्टेयर में धान की खेती की जा रही है।

छत्तीसगढ़ी धान की रोपाई का गीत -

धान ह कइसे संगी

धान ह कइसे संगी, माथ ल नवाये ग

जइसे नवा दुलहिन ह लजाये

जइसे

हवा बजावत हाबय बंसरी
बादर बजावत हाबय तबला

थिरक - थिरक पानी नाचे
देख के मजा आवे हमला
धान ह कइसे
धान ह

निदाई के गीत -

“सब चीज नंदावत हे ”
चींव चींव करके छानही में
चिरइया गाना गावाथे ।
आनी बानी के मशीन आय ले
सब चीज नंदावत हे.....

कटाई के गीत -

तोर घर गियेंव मैं कूटत रहे धान
मोर जिंवरा तरसगे पीपर कस पान
तोर घर गियेंव मैं कूटत रहे धान
मोर जिंवरा तरसगे पीपर कस पान
चितावर में वो चिरई बोले
मन के कलपना ला नई खोले
तोला कोन बन मा
तोला कोन बन मा
तोला कोन बन मा खोजेंव मोर मैना-मंजूर
जोड़ी मोला, जोड़ी मोला तार लेबे रे दोस्त
जोड़ी मोला तार लेबे रे दोस्त

Page no. - 51

प्रश्न 8. भात बहुत सारे लोगों का प्रिय भोजन है। कक्षा के बच्चे अपने प्रिय भोजनों की सूची बनाएं और उनके संस्कृत शब्द लिखें।

उत्तर- पकवान के नाम (हिन्दी में) पकवान के नाम (संस्कृत में)

अचार सन्धितम्
अनरसा इन्दुरसा
इमरती अमृती

एग फ्राई भष्माण्डम्
कचालू पक्कालु :
कढ़ी तैमनम्
कुलफी कूलपी
पूड़ी शष्कुली
खिचड़ी खेचरः
खीर क्षीरान्नम्
चटनी अवलेहः
चपाती पोलिका
चीला चित्रापूपः
दही बड़ा दधिवटक :
दाल सूप :
पकौड़ी पक्कण्टी
पनीर किलाटः
मालपुआ मल्लपूपः
राजमा राजभाषः
रायता दाधेयम्
समोसा त्रिकोणिकाँ, सभोषः
हलुवा संयावः ,लप्सिका
पराठा पूपिका

aglasem